

SYRIA CRADLE OF CIVILIZATIONS

THE ANCIENT ALPHABETS

سورية مهد الحضارة

BY HANI ZÀ ROURA
ARCHAEOLOGIST

الأبجديات القديمة

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|
| SINAI 1600-1500 B.C. | 𐤀 | 𐤁 | 𐤂 | 𐤃 | 𐤄 | 𐤅 | 𐤆 | 𐤇 | 𐤈 | 𐤉 | 𐤊 | 𐤋 | 𐤌 | 𐤍 | 𐤎 | 𐤏 | 𐤐 | 𐤑 | 𐤒 | 𐤓 | 𐤔 | 𐤕 | 𐤖 | 𐤗 | 𐤘 | 𐤙 | 𐤚 | 𐤛 | 𐤜 | 𐤝 | 𐤞 | 𐤟 | 𐤠 | 𐤡 | 𐤢 | 𐤣 | 𐤤 | 𐤥 | 𐤦 | 𐤧 | 𐤨 | 𐤩 | 𐤪 | 𐤫 | 𐤬 | 𐤭 | 𐤮 | 𐤯 | 𐤰 | 𐤱 | 𐤲 | 𐤳 | 𐤴 | 𐤵 | 𐤶 | 𐤷 | 𐤸 | 𐤹 | 𐤺 | 𐤻 | 𐤼 | 𐤽 | 𐤾 | 𐤿 | 𐥀 | 𐥁 | 𐥂 | 𐥃 | 𐥄 | 𐥅 | 𐥆 | 𐥇 | 𐥈 | 𐥉 | 𐥊 | 𐥋 | 𐥌 | 𐥍 | 𐥎 | 𐥏 | 𐥐 | 𐥑 | 𐥒 | 𐥓 | 𐥔 | 𐥕 | 𐥖 | 𐥗 | 𐥘 | 𐥙 | 𐥚 | 𐥛 | 𐥜 | 𐥝 | 𐥞 | 𐥟 | 𐥠 | 𐥡 | 𐥢 | 𐥣 | 𐥤 | 𐥥 | 𐥦 | 𐥧 | 𐥨 | 𐥩 | 𐥪 | 𐥫 | 𐥬 | 𐥭 | 𐥮 | 𐥯 | 𐥰 | 𐥱 | 𐥲 | 𐥳 | 𐥴 | 𐥵 | 𐥶 | 𐥷 | 𐥸 | 𐥹 | 𐥺 | 𐥻 | 𐥼 | 𐥽 | 𐥾 | 𐥿 | 𐦀 | 𐦁 | 𐦂 | 𐦃 | 𐦄 | 𐦅 | 𐦆 | 𐦇 | 𐦈 | 𐦉 | 𐦊 | 𐦋 | 𐦌 | 𐦍 | 𐦎 | 𐦏 | 𐦐 | 𐦑 | 𐦒 | 𐦓 | 𐦔 | 𐦕 | 𐦖 | 𐦗 | 𐦘 | 𐦙 | 𐦚 | 𐦛 | 𐦜 | 𐦝 | 𐦞 | 𐦟 | 𐦠 | 𐦡 | 𐦢 | 𐦣 | 𐦤 | 𐦥 | 𐦦 | 𐦧 | 𐦨 | 𐦩 | 𐦪 | 𐦫 | 𐦬 | 𐦭 | 𐦮 | 𐦯 | 𐦰 | 𐦱 | 𐦲 | 𐦳 | 𐦴 | 𐦵 | 𐦶 | 𐦷 | 𐦸 | 𐦹 | 𐦺 | 𐦻 | 𐦼 | 𐦽 | 𐦾 | 𐦿 | 𐧀 | 𐧁 | 𐧂 | 𐧃 | 𐧄 | 𐧅 | 𐧆 | 𐧇 | 𐧈 | 𐧉 | 𐧊 | 𐧋 | 𐧌 | 𐧍 | 𐧎 | 𐧏 | 𐧐 | 𐧑 | 𐧒 | 𐧓 | 𐧔 | 𐧕 | 𐧖 | 𐧗 | 𐧘 | 𐧙 | 𐧚 | 𐧛 | 𐧜 | 𐧝 | 𐧞 | 𐧟 | 𐧠 | 𐧡 | 𐧢 | 𐧣 | 𐧤 | 𐧥 | 𐧦 | 𐧧 | 𐧨 | 𐧩 | 𐧪 | 𐧫 | 𐧬 | 𐧭 | 𐧮 | 𐧯 | 𐧰 | 𐧱 | 𐧲 | 𐧳 | 𐧴 | 𐧵 | 𐧶 | 𐧷 | 𐧸 | 𐧹 | 𐧺 | 𐧻 | 𐧼 | 𐧽 | 𐧾 | 𐧿 | 𐨀 | 𐨁 | 𐨂 | 𐨃 | 𐨄 | 𐨅 | 𐨆 | 𐨇 | 𐨈 | 𐨉 | 𐨊 | 𐨋 | 𐨌 | 𐨍 | 𐨎 | 𐨏 | 𐨐 | 𐨑 | 𐨒 | 𐨓 | 𐨔 | 𐨕 | 𐨖 | 𐨗 | 𐨘 | 𐨙 | 𐨚 | 𐨛 | 𐨜 | 𐨝 | 𐨞 | 𐨟 | 𐨠 | 𐨡 | 𐨢 | 𐨣 | 𐨤 | 𐨥 | 𐨦 | 𐨧 | 𐨨 | 𐨩 | 𐨪 | 𐨫 | 𐨬 | 𐨭 | 𐨮 | 𐨯 | 𐨰 | 𐨱 | 𐨲 | 𐨳 | 𐨴 | 𐨵 | 𐨶 | 𐨷 | 𐨸 | 𐨹 | 𐨺 | 𐨻 | 𐨼 | 𐨽 | 𐨾 | 𐨿 | 𐩀 | 𐩁 | 𐩂 | 𐩃 | 𐩄 | 𐩅 | 𐩆 | 𐩇 | 𐩈 | 𐩉 | 𐩊 | 𐩋 | 𐩌 | 𐩍 | 𐩎 | 𐩏 | 𐩐 | 𐩑 | 𐩒 | 𐩓 | 𐩔 | 𐩕 | 𐩖 | 𐩗 | 𐩘 | 𐩙 | 𐩚 | 𐩛 | 𐩜 | 𐩝 | 𐩞 | 𐩟 | 𐩠 | 𐩡 | 𐩢 | 𐩣 | 𐩤 | 𐩥 | 𐩦 | 𐩧 | 𐩨 | 𐩩 | 𐩪 | 𐩫 | 𐩬 | 𐩭 | 𐩮 | 𐩯 | 𐩰 | 𐩱 | 𐩲 | 𐩳 | 𐩴 | 𐩵 | 𐩶 | 𐩷 | 𐩸 | 𐩹 | 𐩺 | 𐩻 | 𐩼 | 𐩽 | 𐩾 | 𐩿 | 𐪀 | 𐪁 | 𐪂 | 𐪃 | 𐪄 | 𐪅 | 𐪆 | 𐪇 | 𐪈 | 𐪉 | 𐪊 | 𐪋 | 𐪌 | 𐪍 | 𐪎 | 𐪏 | 𐪐 | 𐪑 | 𐪒 | 𐪓 | 𐪔 | 𐪕 | 𐪖 | 𐪗 | 𐪘 | 𐪙 | 𐪚 | 𐪛 | 𐪜 | 𐪝 | 𐪞 | 𐪟 | 𐪠 | 𐪡 | 𐪢 | 𐪣 | 𐪤 | 𐪥 | 𐪦 | 𐪧 | 𐪨 | 𐪩 | 𐪪 | 𐪫 | 𐪬 | 𐪭 | 𐪮 | 𐪯 | 𐪰 | 𐪱 | 𐪲 | 𐪳 | 𐪴 | 𐪵 | 𐪶 | 𐪷 | 𐪸 | 𐪹 | 𐪺 | 𐪻 | 𐪼 | 𐪽 | 𐪾 | 𐪿 | 𐫀 | 𐫁 | 𐫂 | 𐫃 | 𐫄 | 𐫅 | 𐫆 | 𐫇 | 𐫈 | 𐫉 | 𐫊 | 𐫋 | 𐫌 | 𐫍 | 𐫎 | 𐫏 | 𐫐 | 𐫑 | 𐫒 | 𐫓 | 𐫔 | 𐫕 | 𐫖 | 𐫗 | 𐫘 | 𐫙 | 𐫚 | 𐫛 | 𐫜 | 𐫝 | 𐫞 | 𐫟 | 𐫠 | 𐫡 | 𐫢 | 𐫣 | 𐫤 | 𐫥 | 𐫦 | 𐫧 | 𐫨 | 𐫩 | 𐫪 | 𐫫 | 𐫬 | 𐫭 | 𐫮 | 𐫯 | 𐫰 | 𐫱 | 𐫲 | 𐫳 | 𐫴 | 𐫵 | 𐫶 | 𐫷 | 𐫸 | 𐫹 | 𐫺 | 𐫻 | 𐫼 | 𐫽 | 𐫾 | 𐫿 | 𐬀 | 𐬁 | 𐬂 | 𐬃 | 𐬄 | 𐬅 | 𐬆 | 𐬇 | 𐬈 | 𐬉 | 𐬊 | 𐬋 | 𐬌 | 𐬍 | 𐬎 | 𐬏 | 𐬐 | 𐬑 | 𐬒 | 𐬓 | 𐬔 | 𐬕 | 𐬖 | 𐬗 | 𐬘 | 𐬙 | 𐬚 | 𐬛 | 𐬜 | 𐬝 | 𐬞 | 𐬟 | 𐬠 | 𐬡 | 𐬢 | 𐬣 | 𐬤 | 𐬥 | 𐬦 | 𐬧 | 𐬨 | 𐬩 | 𐬪 | 𐬫 | 𐬬 | 𐬭 | 𐬮 | 𐬯 | 𐬰 | 𐬱 | 𐬲 | 𐬳 | 𐬴 | 𐬵 | 𐬶 | 𐬷 | 𐬸 | 𐬹 | 𐬺 | 𐬻 | 𐬼 | 𐬽 | 𐬾 | 𐬿 | 𐭀 | 𐭁 | 𐭂 | 𐭃 | 𐭄 | 𐭅 | 𐭆 | 𐭇 | 𐭈 | 𐭉 | 𐭊 | 𐭋 | 𐭌 | 𐭍 | 𐭎 | 𐭏 | 𐭐 | 𐭑 | 𐭒 | 𐭓 | 𐭔 | 𐭕 | 𐭖 | 𐭗 | 𐭘 | 𐭙 | 𐭚 | 𐭛 | 𐭜 | 𐭝 | 𐭞 | 𐭟 | 𐭠 | 𐭡 | 𐭢 | 𐭣 | 𐭤 | 𐭥 | 𐭦 | 𐭧 | 𐭨 | 𐭩 | 𐭪 | 𐭫 | 𐭬 | 𐭭 | 𐭮 | 𐭯 | 𐭰 | 𐭱 | 𐭲 | 𐭳 | 𐭴 | 𐭵 | 𐭶 | 𐭷 | 𐭸 | 𐭹 | 𐭺 | 𐭻 | 𐭼 | 𐭽 | 𐭾 | 𐭿 | 𐮀 | 𐮁 | 𐮂 | 𐮃 | 𐮄 | 𐮅 | 𐮆 | 𐮇 | 𐮈 | 𐮉 | 𐮊 | 𐮋 | 𐮌 | 𐮍 | 𐮎 | 𐮏 | 𐮐 | 𐮑 | 𐮒 | 𐮓 | 𐮔 | 𐮕 | 𐮖 | 𐮗 | 𐮘 | 𐮙 | 𐮚 | 𐮛 | 𐮜 | 𐮝 | 𐮞 | 𐮟 | 𐮠 | 𐮡 | 𐮢 | 𐮣 | 𐮤 | 𐮥 | 𐮦 | 𐮧 | 𐮨 | 𐮩 | 𐮪 | 𐮫 | 𐮬 | 𐮭 | 𐮮 | 𐮯 | 𐮰 | 𐮱 | 𐮲 | 𐮳 | 𐮴 | 𐮵 | 𐮶 | 𐮷 | 𐮸 | 𐮹 | 𐮺 | 𐮻 | 𐮼 | 𐮽 | 𐮾 | 𐮿 | 𐯀 | 𐯁 | 𐯂 | 𐯃 | 𐯄 | 𐯅 | 𐯆 | 𐯇 | 𐯈 | 𐯉 | 𐯊 | 𐯋 | 𐯌 | 𐯍 | 𐯎 | 𐯏 | 𐯐 | 𐯑 | 𐯒 | 𐯓 | 𐯔 | 𐯕 | 𐯖 | 𐯗 | 𐯘 | 𐯙 | 𐯚 | 𐯛 | 𐯜 | 𐯝 | 𐯞 | 𐯟 | 𐯠 | 𐯡 | 𐯢 | 𐯣 | 𐯤 | 𐯥 | 𐯦 | 𐯧 | 𐯨 | 𐯩 | 𐯪 | 𐯫 | 𐯬 | 𐯭 | 𐯮 | 𐯯 | 𐯰 | 𐯱 | 𐯲 | 𐯳 | 𐯴 | 𐯵 | 𐯶 | 𐯷 | 𐯸 | 𐯹 | 𐯺 | 𐯻 | 𐯼 | 𐯽 | 𐯾 | 𐯿 | 𐰀 | 𐰁 | 𐰂 | 𐰃 | 𐰄 | 𐰅 | 𐰆 | 𐰇 | 𐰈 | 𐰉 | 𐰊 | 𐰋 | 𐰌 | 𐰍 | 𐰎 | 𐰏 | 𐰐 | 𐰑 | 𐰒 | 𐰓 | 𐰔 | 𐰕 | 𐰖 | 𐰗 | 𐰘 | 𐰙 | 𐰚 | 𐰛 | 𐰜 | 𐰝 | 𐰞 | 𐰟 | 𐰠 | 𐰡 | 𐰢 | 𐰣 | 𐰤 | 𐰥 | 𐰦 | 𐰧 | 𐰨 | 𐰩 | 𐰪 | 𐰫 | 𐰬 | 𐰭 | 𐰮 | 𐰯 | 𐰰 | 𐰱 | 𐰲 | 𐰳 | 𐰴 | 𐰵 | 𐰶 | 𐰷 | 𐰸 | 𐰹 | 𐰺 | 𐰻 | 𐰼 | 𐰽 | 𐰾 | 𐰿 | 𐱀 | 𐱁 | 𐱂 | 𐱃 | 𐱄 | 𐱅 | 𐱆 | 𐱇 | 𐱈 | 𐱉 | 𐱊 | 𐱋 | 𐱌 | 𐱍 | 𐱎 | 𐱏 | 𐱐 | 𐱑 | 𐱒 | 𐱓 | 𐱔 | 𐱕 | 𐱖 | 𐱗 | 𐱘 | 𐱙 | 𐱚 | 𐱛 | 𐱜 | 𐱝 | 𐱞 | 𐱟 | 𐱠 | 𐱡 | 𐱢 | 𐱣 | 𐱤 | 𐱥 | 𐱦 | 𐱧 | 𐱨 | 𐱩 | 𐱪 | 𐱫 | 𐱬 | 𐱭 | 𐱮 | 𐱯 | 𐱰 | 𐱱 | 𐱲 | 𐱳 | 𐱴 | 𐱵 | 𐱶 | 𐱷 | 𐱸 | 𐱹 | 𐱺 | 𐱻 | 𐱼 | 𐱽 | 𐱾 | 𐱿 | 𐲀 | 𐲁 | 𐲂 | 𐲃 | 𐲄 | 𐲅 | 𐲆 | 𐲇 | 𐲈 | 𐲉 | 𐲊 | 𐲋 | 𐲌 | 𐲍 | 𐲎 | 𐲏 | 𐲐 | 𐲑 | 𐲒 | 𐲓 | 𐲔 | 𐲕 | 𐲖 | 𐲗 | 𐲘 | 𐲙 | 𐲚 | 𐲛 | 𐲜 | 𐲝 | 𐲞 | 𐲟 | 𐲠 | 𐲡 | 𐲢 | 𐲣 | 𐲤 | 𐲥 | 𐲦 | 𐲧 | 𐲨 | 𐲩 | 𐲪 | 𐲫 | 𐲬 | 𐲭 | 𐲮 | 𐲯 | 𐲰 | 𐲱 | 𐲲 | 𐲳 | 𐲴 | 𐲵 | 𐲶 | 𐲷 | 𐲸 | 𐲹 | 𐲺 | 𐲻 | 𐲼 | 𐲽 | 𐲾 | 𐲿 | 𐳀 | 𐳁 | 𐳂 | 𐳃 | 𐳄 | 𐳅 | 𐳆 | 𐳇 | 𐳈 | 𐳉 | 𐳊 | 𐳋 | 𐳌 | 𐳍 | 𐳎 | 𐳏 | 𐳐 | 𐳑 | 𐳒 | 𐳓 | 𐳔 | 𐳕 | 𐳖 | 𐳗 | 𐳘 | 𐳙 | 𐳚 | 𐳛 | 𐳜 | 𐳝 | 𐳞 | 𐳟 | 𐳠 | 𐳡 | 𐳢 | 𐳣 | 𐳤 | 𐳥 | 𐳦 | 𐳧 | 𐳨 | 𐳩 | 𐳪 | 𐳫 | 𐳬 | 𐳭 | 𐳮 | 𐳯 | 𐳰 | 𐳱 | 𐳲 | 𐳳 | 𐳴 | 𐳵 | 𐳶 | 𐳷 | 𐳸 | 𐳹 | 𐳺 | 𐳻 | 𐳼 | 𐳽 | 𐳾 | 𐳿 | 𐴀 | 𐴁 | 𐴂 | 𐴃 | 𐴄 | 𐴅 | 𐴆 | 𐴇 | 𐴈 | 𐴉 | 𐴊 | 𐴋 | 𐴌 | 𐴍 | 𐴎 | 𐴏 | 𐴐 | 𐴑 | 𐴒 | 𐴓 | 𐴔 | 𐴕 | 𐴖 | 𐴗 | 𐴘 | 𐴙 | 𐴚 | 𐴛 | 𐴜 | 𐴝 | 𐴞 | 𐴟 | 𐴠 | 𐴡 | 𐴢 | 𐴣 | 𐴤 | 𐴥 | 𐴦 | 𐴧 | 𐴨 | 𐴩 | 𐴪 | 𐴫 | 𐴬 | 𐴭 | 𐴮 | 𐴯 | 𐴰 | 𐴱 | 𐴲 | 𐴳 | 𐴴 | 𐴵 | 𐴶 | 𐴷 | 𐴸 | 𐴹 | 𐴺 | 𐴻 | 𐴼 | 𐴽 | 𐴾 | 𐴿 | 𐵀 | 𐵁 | 𐵂 | 𐵃 | 𐵄 | 𐵅 | 𐵆 | 𐵇 | 𐵈 | 𐵉 | 𐵊 | 𐵋 | 𐵌 | 𐵍 | 𐵎 | 𐵏 | 𐵐 | 𐵑 | 𐵒 | 𐵓 | 𐵔 | 𐵕 | 𐵖 | 𐵗 | 𐵘 | 𐵙 | 𐵚 | 𐵛 | 𐵜 | 𐵝 | 𐵞 | 𐵟 | 𐵠 | 𐵡 | 𐵢 | 𐵣 | 𐵤 | 𐵥 | 𐵦 | 𐵧 | 𐵨 | 𐵩 | 𐵪 | 𐵫 | 𐵬 | 𐵭 | 𐵮 | 𐵯 | 𐵰 | 𐵱 | 𐵲 | 𐵳 | 𐵴 | 𐵵 | 𐵶 | 𐵷 | 𐵸 | 𐵹 | 𐵺 | 𐵻 | 𐵼 | 𐵽 | 𐵾 | 𐵿 | 𐶀 | 𐶁 | 𐶂 | 𐶃 | 𐶄 | 𐶅 | 𐶆 | 𐶇 | 𐶈 | 𐶉 | 𐶊 | 𐶋 | 𐶌 | 𐶍 | 𐶎 | 𐶏 | 𐶐 | 𐶑 | 𐶒 | 𐶓 | 𐶔 | 𐶕 | 𐶖 | 𐶗 | 𐶘 | 𐶙 | 𐶚 | 𐶛 | 𐶜 | 𐶝 | 𐶞 | 𐶟 | 𐶠 | 𐶡 | 𐶢 | 𐶣 | 𐶤 | 𐶥 | 𐶦 | 𐶧 | 𐶨 | 𐶩 | 𐶪 | 𐶫 | 𐶬 | 𐶭 | 𐶮 | 𐶯 | 𐶰 | 𐶱 | 𐶲 | 𐶳 | 𐶴 | 𐶵 | 𐶶 | 𐶷 | 𐶸 | 𐶹 | 𐶺 | 𐶻 | 𐶼 | 𐶽 | 𐶾 | 𐶿 | 𐷀 | 𐷁 | 𐷂 | 𐷃 | 𐷄 | 𐷅 | 𐷆 | 𐷇 | 𐷈 | 𐷉 | 𐷊 | 𐷋 | 𐷌 | 𐷍 | 𐷎 | 𐷏 | 𐷐 | 𐷑 | 𐷒 | 𐷓 | 𐷔 | 𐷕 | 𐷖 | 𐷗 | 𐷘 | 𐷙 | 𐷚 | 𐷛 | 𐷜 | 𐷝 | 𐷞 | 𐷟 | 𐷠 | 𐷡 | 𐷢 | 𐷣 | 𐷤 | 𐷥 | 𐷦 | 𐷧 | 𐷨 | 𐷩 | 𐷪 | 𐷫 | 𐷬 | 𐷭 | 𐷮 | 𐷯 | 𐷰 | 𐷱 | 𐷲 | 𐷳 | 𐷴 | 𐷵 | 𐷶 | 𐷷 | 𐷸 | 𐷹 | 𐷺 | 𐷻 | 𐷼 | 𐷽 | 𐷾 | 𐷿 | 𐸀 | 𐸁 | 𐸂 | 𐸃 | 𐸄 | 𐸅 | 𐸆 | 𐸇 | 𐸈 | 𐸉 | 𐸊 | 𐸋 | 𐸌 | 𐸍 | 𐸎 | 𐸏 | 𐸐 | 𐸑 | 𐸒 | 𐸓 | 𐸔 | 𐸕 | 𐸖 | 𐸗 | 𐸘 | 𐸙 | 𐸚 | 𐸛 | 𐸜 | 𐸝 | 𐸞 | 𐸟 | 𐸠 | 𐸡 | 𐸢 | 𐸣 | 𐸤 | 𐸥 | 𐸦 | 𐸧 | 𐸨 | 𐸩 | 𐸪 | 𐸫 | 𐸬 | 𐸭 | 𐸮 | 𐸯 | 𐸰 | 𐸱 | 𐸲 | 𐸳 | 𐸴 | 𐸵 | 𐸶 | 𐸷 | 𐸸 | 𐸹 | 𐸺 | 𐸻 | 𐸼 | 𐸽 | 𐸾 | 𐸿 | |
|-------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|

CHRONOLOGY OF DIFFERENT CIVILIZATIONS IN SYRIA

By : Hani ZAROURA Archaeologist

| CIVILIZATION | FROM | TO |
|-------------------------------------|-----------------|-----------|
| HALAF PERIOD | 4500 B.C. | 2500 B.C. |
| SUMERIANS | 2900 B.C. | 2500 B.C. |
| AKKADIANS | 2500 B.C. | 2050 B.C. |
| EBLAITES | 2400 B.C. | 1850 B.C. |
| BABYLONIANS | 2000 B.C. | 539 B.C. |
| CANAANITES OF INLAND | 1900 B.C. | 538 B.C. |
| CANAANITES OF THE SEA (PHOENICIANS) | 1900 B.C. | 64 B.C. |
| HURRIANS | 1800 B.C. | 1276 B.C. |
| ASSYRIANS IN SYRIA | 1700 B.C. | 1276 B.C. |
| EGYPTIANS IN SYRIA | 1700 B.C. | 1276 B.C. |
| HITTITES IN SYRIA | 1440 B.C. | 1190 B.C. |
| ARAMEANS | 1200 B.C. | 732 B.C. |
| CHALDEANS | 612 B.C. | 561 B.C. |
| PALMYRIANS | 600 B.C. | 272 A.D. |
| PERSIANS IN SYRIA | 538 B.C. | 333 B.C. |
| HELLENISTIC PERIOD | 333 B.C. | 64 B.C. |
| NABATEANS | 169 B.C. | 106 A.D. |
| GHASSANIDES | 100 B.C. | 635 A.D. |
| ROMANS IN SYRIA | 64 B.C. | 330 A.D. |
| BYZANTINES | 330 A.D. | 635 A.D. |
| SASSANIDS | 540 A.D. | 635 A.D. |
| UMMAYYADS | 661 A.D. | 750 A.D. |
| ABBASIDS | 750 A.D. | 1258 A.D. |
| IKHCHIDID | 933 A.D. | 968 A.D. |
| HAMDANIDS | 944 A.D. | 1001 A.D. |
| FATIMIDS IN SYRIA | 968 A.D. | 1075 A.D. |
| SALJOUKS | 1075 A.D. | 1174 A.D. |
| CRUSADERS | 1096 A.D. | 1187 A.D. |
| AYYUBIDS | 1174 A.D. | 1259 A.D. |
| MAMELOUKS | 1255 A.D. | 1516 A.D. |
| OTTOMANS | 1516 A.D. | 1918 A.D. |
| GREAT ARAB REVOLUTION | 1918 A.D. | 1920 A.D. |
| FRENCH MANDATE | 1920 A.D. | 1946 A.D. |
| SYRIAN ARAB REPUBLIC | Since 1946 A.D. | |